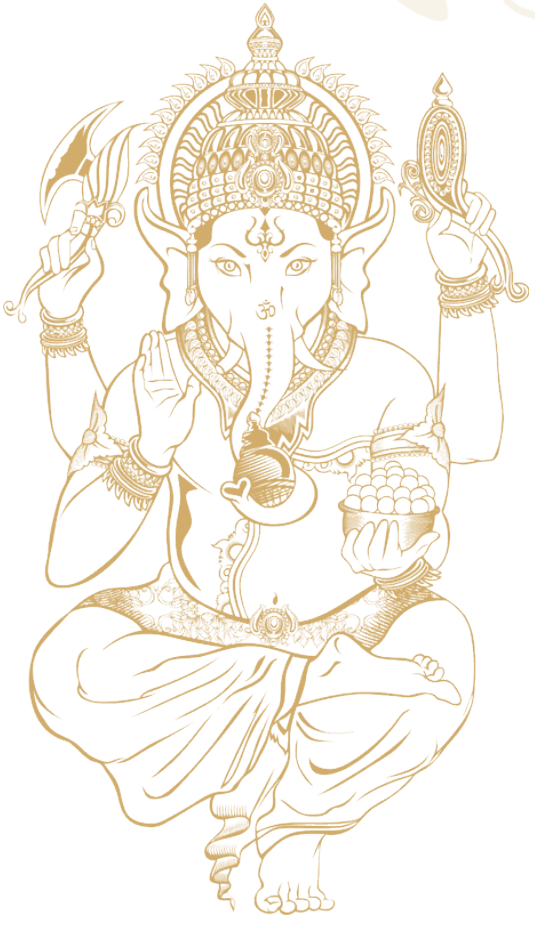

Rahul Patel

08 Sep 1986

10:30 AM

Navsari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121326602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/09/1986**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	10:16:39 घटी
स्थान	**Navsari**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	20:58:00 उत्तर
रेखांश	73:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:52:04 घंटे
वेलान्तर	00:02:10 घंटे
साम्पातिक काल	08:59:57 घंटे
सूर्योदय	06:23:20 घंटे
सूर्यास्त	18:47:45 घंटे
दिनमान	12:24:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:35:26 सिंह
लग्न के अंश	17:44:53 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:44:53	324:02:35	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	21:35:26	00:58:16	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	स्वराशि
चंद्र			तुला	10:50:37	13:53:59	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	22:26:20	00:19:47	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	सिंह	23:52:22	01:52:13	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	24:32:52	00:07:57	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र			तुला	07:00:26	00:51:44	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि			वृश्चि	10:12:46	00:03:01	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			मीन	27:35:51	00:01:03	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु			कन्या	27:35:51	00:01:03	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	24:44:35	00:00:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप	व		धनु	09:22:54	00:00:13	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	11:41:49	00:01:44	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			कर्क	18:51:03	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:10

लग्न-चलित

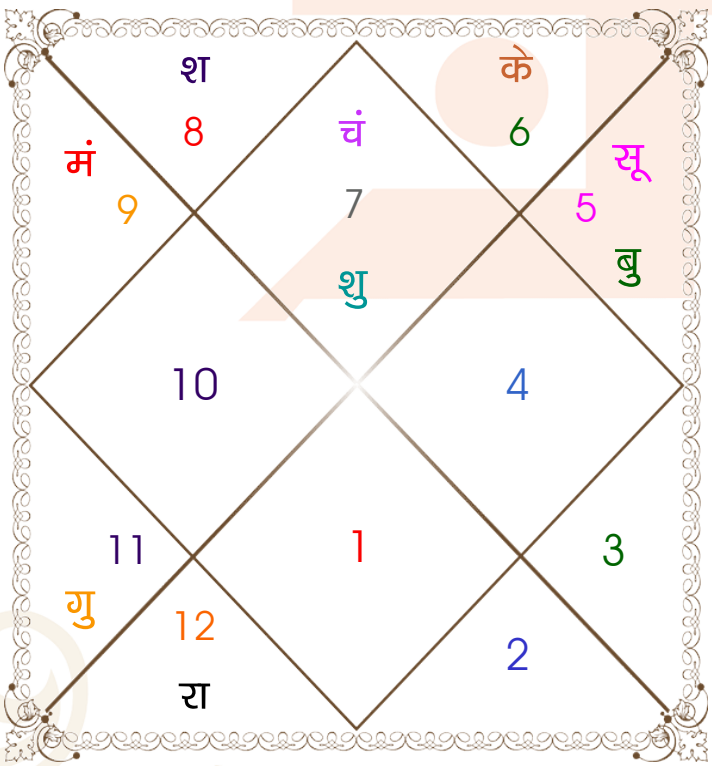

चन्द्र कुंडली

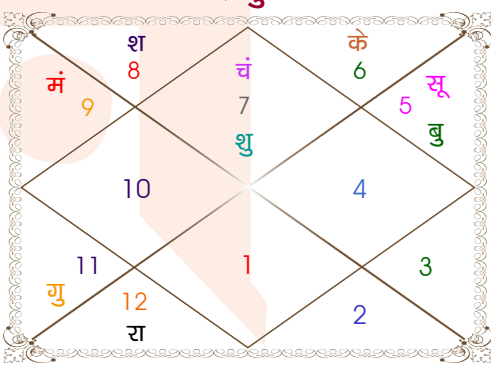

नवमांश कुंडली

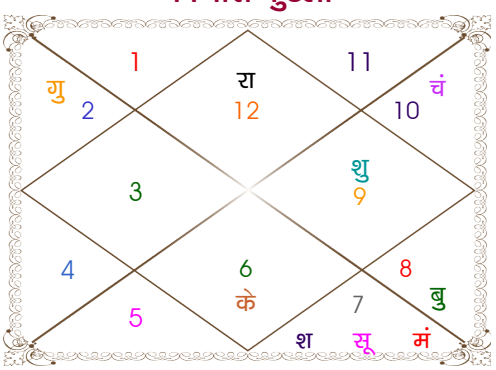

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 4 मास 10 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/09/1986		18/01/1999		18/01/2015		18/01/2034		18/01/2051	
18/01/1999		18/01/2015		18/01/2034		18/01/2051		18/01/2058	
	00/00/0000	गुरु	07/03/2001	शनि	21/01/2018	बुध	15/06/2036	केतु	16/06/2051
	08/09/1986	शनि	18/09/2003	बुध	30/09/2020	केतु	12/06/2037	शुक्र	15/08/2052
शनि	30/12/1988	बुध	24/12/2005	केतु	09/11/2021	शुक्र	12/04/2040	सूर्य	21/12/2052
बुध	19/07/1991	केतु	30/11/2006	शुक्र	08/01/2025	सूर्य	17/02/2041	चंद्र	22/07/2053
केतु	06/08/1992	शुक्र	31/07/2009	सूर्य	21/12/2025	चंद्र	19/07/2042	मंगल	18/12/2053
शुक्र	07/08/1995	सूर्य	19/05/2010	चंद्र	23/07/2027	मंगल	16/07/2043	राहु	06/01/2055
सूर्य	30/06/1996	चंद्र	18/09/2011	मंगल	30/08/2028	राहु	02/02/2046	गुरु	13/12/2055
चंद्र	30/12/1997	मंगल	24/08/2012	राहु	07/07/2031	गुरु	10/05/2048	शनि	20/01/2057
मंगल	18/01/1999	राहु	18/01/2015	गुरु	18/01/2034	शनि	18/01/2051	बुध	18/01/2058

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/01/2058		18/01/2078		18/01/2084		18/01/2094		18/01/2101	
18/01/2078		18/01/2084		18/01/2094		18/01/2101		00/00/0000	
शुक्र	19/05/2061	सूर्य	07/05/2078	चंद्र	17/11/2084	मंगल	16/06/2094	राहु	02/10/2103
सूर्य	19/05/2062	चंद्र	06/11/2078	मंगल	19/06/2085	राहु	04/07/2095	गुरु	24/02/2106
चंद्र	18/01/2064	मंगल	14/03/2079	राहु	18/12/2086	गुरु	09/06/2096	शनि	09/09/2106
मंगल	19/03/2065	राहु	05/02/2080	गुरु	18/04/2088	शनि	19/07/2097		00/00/0000
राहु	19/03/2068	गुरु	24/11/2080	शनि	18/11/2089	बुध	16/07/2098		00/00/0000
गुरु	18/11/2070	शनि	06/11/2081	बुध	19/04/2091	केतु	12/12/2098		00/00/0000
शनि	18/01/2074	बुध	12/09/2082	केतु	18/11/2091	शुक्र	11/02/2100		00/00/0000
बुध	17/11/2076	केतु	18/01/2083	शुक्र	19/07/2093	सूर्य	19/06/2100		00/00/0000
केतु	18/01/2078	शुक्र	18/01/2084	सूर्य	18/01/2094	चंद्र	18/01/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।